AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि इसी महीने करेगा नैक के लिए आवेदन, तैयारियां पूरी

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय इसी महीने राष्ट्रीय मूल्यांकन व प्रत्यायन परिषद (नैक) की ग्रेडिंग के लिए आवेदन कर सकता है। विवि तमाम तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटा है। विवि को पिछली बार बी ग्रेड मिली थी, जो पिछले साल ही समाप्त हो गई थी। गौरतलब है कि यूजीसी के साथ ही प्रदेश सरकार और राजभवन ने सभी उच्च शिक्षण संस्थान के लिए नैक ग्रेडिंग अनिवार्य कर रखी है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने 2022 तक सभी विश्वविद्यालयों और कॉलेजों को नैक एक्रिडिटेशन का दर्जा देने का लक्ष्य रखा है। इसी के तहत यूजीसी ने विश्वविद्यालयों को पत्र भी लिखा है। इसमें शोध, विद्यार्थियों की संख्या, शिक्षकों के पद भरने के साथ ही शिक्षा गुणवत्ता पर खास ध्यान देने को कहा गया है।

लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम और नए पाठ्यक्रम से मिलेगी मदद

लखनऊ विवि इस साल अपने यहां लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम और कई नए पाठ्यक्रम शुरू कर रहा है। लविवि को इनका सीधा फायदा मिलेगा। साथ ही प्रयोगशाला और पुस्तकालय पर भी इस साल काम किया है। सायबर लाइब्रेरी की वजह से भी काफी फायदा मिलेगा। साइबर लाइब्रेरी से विद्यार्थी और शिक्षक घर से ही इसका उपयोग कर सकते हैं।

शिक्षक छात्र अनुपात और प्लेसमेंट की स्थिति अभी भी चिंताजनक

लविवि भले ही अपनी तैयारी पूरी करने का दावा कर रहा है, लेकिन शिक्षक छात्र और प्लेसमेंट की स्थिति अभी भी चिंताजनक है। विवि में शिक्षक छात्र अनुपात 50 के करीब है। यूजीसी के मानकों के हिसाब से यह बहुत ज्यादा है, जबकि इसे 20 से 30 के बीच होना चाहिए। लविवि अपने यहां भर्ती की तैयारी कर रहा है, लेकिन आर्थिक संकट की वजह से यह अभी भी मुश्किल लग रहा है।

> लविवि ने नैक की तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया है। विभागाध्यक्षों के साथ मीटिंग की जा चुकी है। जल्द ही इसके लिए आवेदन किया जा रहा है। उम्मीद है कि इस बार हमें ए ग्रेड प्राप्त होगा। - **प्रो आलोक कुमार राय, कुलपति, लविवि**

i-NEXT PAGE 4

एलयू से पीजी की पढ़ाई के लिए आवेदन बस आज तक

यूजी में भी आवेदन करने वाले स्टूडेंट्स को डाक्यूमेंट अपलोड करने का आज अंतिम मौका

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (23 Aug): एलयू में 2020-21 के तहत पीजी कोर्सेस में एडमिशन के लिए आवेदन की लास्ट डेट मंडे को समाप्त हो रही है. ऐसे में आवेदन से चूक गए स्टूडेंट्स मंडे की रात 12 बजे से पहले तक अपने पसंद के कोर्स में एडमिशन के लिए आवेदन कर सकते हैं. यूनिवर्सिटी प्रशासन का कहना है कि इसके बाद आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे. एलयू के पीजी के विभिन्न कोर्सेस में करीब चार हजार से अधिक सीटों के लिए आवेदन मांगे गए हैं. एलयू के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव के अनुसार इस बार अभी तक पीजी में करीब 19 हजार से अधिक आवेदन आए हैं.

डाक्यूमेंट को अपलोड करने का आज अंतिम मौका

डॉ. श्रीवास्तव के मुताबिक, यूजी में आवेदन करने वाले के पास डाक्यूमेंट को अपलोड करने का आज अंतिम मौका है. डाक्यूमेंट को अपलोड करने के लिए पहले 20 अगस्त लास्ट डेट निर्धारित की गई थी, लेकिन स्टूडेंट्स की मांग को देखते हुए यूनिवर्सिटी प्रशासन ने लास्ट डेट 24 अगस्त कर दी थी. सभी स्टूडेंट्स से यूनिवर्सिटी ने अपील की है कि जिन स्टूडेंट्स ने अभी तक डॉक्यूमेंट अपलोड नहीं किए हैं वह मंडे को हर हाल में अपलोड कर दें. ऐसा ना करने वाले स्टूडेंट्स आवेदन की प्रक्रिया से बाहर हो सकते हैं.

19 हजार से अधिक आवेदन आए.

CONCEPT PIC

स्लेट एप का कॉपी राइट कराएगा एलयू

LUCKNOW : लखनऊ यूनिवर्सिटी स्ट्रेटजिक लर्निंग एप्लीकेशन फॉर ट्रांसफॉरमेटिव एजुकेशन (एसएलएटीई-स्लेट) ऑनलाइन लर्निंग सिस्टम से पढ़ाई कराने की तैयारी कर रहा है. सूत्रों का कहना है कि एलयू ने एसएलएटीई-स्लेट के कॉपीराइट के लिए आवेदन किया है. यूनिवर्सिटी का दावा है कि जल्द ही इसपर एलयू का नाम वैधानिक तौर पर दर्ज हो जएगा.

रोल नंबर के आधार पर बुलाए जाएंगे स्टूडेंट

आधे स्टूडेंट्स कैंपस में क्लास करेंगे तो उसी समय बाकी करेंगे ऑनलाइन पढ़ाई

LUCKNOW (23 Aug inext): एलयू में क्लास संचालन को लेकर एलयू ने अपनी स्थिति साफ कर दी है. एलयू ने ऑनलाइन क्लास जारी रखने के साथ सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए ऑफलाइन क्लास चलाने के संकेत दे दिए हैं. यूनिवर्सिटी 50 प्रतिशत स्टूडेंट्स को कैंपस बुलाकर क्लास चलाने की तैयारी कर रही है. यूनिवर्सिटी के सूत्रों का कहना है कि रोल नंबर के आधार पर स्टूडेंट्स की ऑन और ऑफ लाइन क्लास का शेड्यूल तैयार किया जा रहा है.

साझा किया जाएगा टाइम टेबल

वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि यूनिवर्सिटी में ऑनलाइन क्लास चलती रहेंगी. उन्होंने बताया कि 50 फीसद स्टूडेंट्स क्लास में बैठेंगे और उसी समय में बाकी स्टूडेंट्स ऑनलाइन क्लास अटेंड करेंगे. इसके लिए स्टूडेंट्स का टाइम टेबल सेट कर उनसे साझा किया जाएगा. यूनिवर्सिटी में एक अक्टूबर से स्नातक और एक नवंबर से पीजी के नए सेशन की शुरुआत की जाएगी.

DAINIK JAGRAN CITY PAGE 1

पीजी में दाखिले के लिए आवेदन का अंतिम मौका आज

लखनऊ विश्वविद्यालय में सत्र 2020-21 के तहत परास्नातक (पीजी) में दाखिले के लिए आवेदन की अंतिम तिथि सोमवार है। ऐसे में अभी तक आवेदन से वंचित रह गए अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं। विवि प्रशासन का स्पष्ट कहना है कि इसके बाद आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। इस बार आवेदन की प्रक्रिया ऑनलाइन के माध्यम से होगी।

गौरतलब है कि लविवि में पीजी के विभिन्न पाठ्यक्रमों में करीब चार हजार से अधिक सीटों के लिए इस बार आवेदन आए हैं। विवि के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव के अनुसार इस बार अभी तक पीजी में करीब 19 हजार से अधिक आवेदन आए हैं। 24 अगस्त आवेदन की अंतिम तारीख है।

दस्तावेजों को अपलोड करने का आज अंतिम मौका: प्रवक्ता के मुताबिक, यूजी में आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों के पास दस्तावेजों को अपलोड करने का सोमवार को अंतिम मौका है। दस्तावेजों को अपलोड करने के लिए पहले 20 अगस्त अंतिम तारीख निर्धारित की गई थी, मगर छात्र-छात्राओं की मांग को देखते हुए विवि प्रशासन ने दस्तावेजों को अपलोड करने के लिए अंतिम तारीख बढ़ाकर 24 अगस्त कर दी थी। प्रवक्ता ने आवेदन कर्ताओं से अपील की है कि वे अपने शैक्षिक व अन्य सभी दस्तावेजों को सोमवार को अवश्य अपलोड कर दें।

लविवि के नाम होगा स्लेट का कॉपीराइट

लखनऊ विश्वविद्यालय में लागू होने जा रहा स्ट्रेटजिक लर्निंग एप्लीकेशन फॉर ट्रांसफॉरमेटिव एजुकेशन (एसएलएटीई-स्लेट) ऑनलाइन लर्निंग सिस्टम का कॉपीराइट भी विवि के पास ही होगा। विवि प्रशासन द्वारा स्लेट के कॉपीराइट के लिए आवेदन किया गया है। विवि का दावा है कि जल्द ही इसपर लविवि का नाम वैधानिक तौर पर दर्ज हो जाएगा। गौरतलब है कि ऑनलाइन पढ़ाई को बेहतर बनाने के लिए लविवि की ओर से एसएलएटीई-स्लेट एप लॉन्च किया जाएगा। इसके बाद छात्रों को गूगल मीट आदि एप डाउनलोड करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। उन्हें एप पर ई कंटेंट, वीडियो और लेक्चर मिल जाएंगे।

ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों साथ चलेंगी कक्षाएं

कोरोना संक्रमण काल में विश्वविद्यालयों में कक्षाओं के संचालन को लेकर चल रहे ऊहापोह पर लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने कुछ हद तक विराम लगाया है। विवि प्रशासन ने कक्षाओं के संचालन के दौरान शारीरिक दूरी बनी रहे इसके लिए ऑफलाइन के साथ ऑनलाइन कक्षाएं जारी रखने का मन बनाया है। इसके तहत आधे छात्रों को विश्वविद्यालय और आधे छात्रों को घर पर रहते हुए कक्षाएं मुहैया कराने की तैयारी है। विवि सूत्रों के मुताबिक, अभी तक की प्लानिंग के अनुसार कोरोना संक्रमण को देखते हुए रोल नंबर के आधार पर आधे-आधे छात्रों को बुलाया जाएगा। ताकि संक्रमण के खतरे की कम संभावना के बीच पढ़ाई हो सके।

साझा किया जाएगा टाइम टेबल: कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि विश्वविद्यालय में ऑनलाइन कक्षाएं चलती रहेंगी। इसी कड़ी में आधे छात्र कक्षाओं में बैठेंगे और उसी समय बाकी आधे छात्र अपने घर में बैठकर पढ़ाई करेंगे। इसके लिए विद्यार्थियों का टाइम टेबल सेट कर उन्हें साझा किया जाएगा।

दरअसल, कोरोना संक्रमण के चलते उपजे हालात के बीच विश्वविद्यालयों में पढ़ाई को लेकर अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा सका था। विश्वविद्यालय द्वारा कक्षाओं के संचालन के लिए प्रस्तावित कार्यक्रम जारी किया जा चुका था। प्रस्तावित कार्यक्रम के तहत, एक अक्टूबर से स्नातक और एक नवंबर तक परास्नातक के नए सत्र की शुरुआत की जाएगी।

HINDUSTAN PAGE 6

50% छात्र विवि, बाकी घर से करेंगे पढ़ाई

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

लविवि: पीजी में आवेदन का अन्तिम मौका आज

लखनऊ विश्वविद्यालय में सत्र 2020 21 के तहत परास्नातक (पीजी) में दाखिले के लिए आवेदन का अंतिम मौका सोमवार को मिलेगा। अभी तक विश्वविद्यालय ने इस तिथि को आगे बढ़ाने का कोई आदेश जारी नहीं किया है। लखनऊ विश्वविद्यालय में पीजी के विभिन्न पाठ्यक्रमों में करीब 4500 सीटें हैं। इस बार बंपर आवेदन आए हैं। करीब 19 हजार से अधिक आवेदन आए हैं। उधर, स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए दस्तावेज अपलोड करने का भी अन्तिम मौका सोमवार को मिलेगा।

कोरोना संक्रमण के इस काल में अगर विश्वविद्यालय या महाविद्यालय में कक्षाएं शुरू की गईं तो उनका प्रारूप क्या होगा? यह सवाल आज हर छात्र और अभिभावक के दिमाग में है।

राजधानी के लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने इसका फॉर्मूला तलाश लिए हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन ने 50-50 का फॉर्मूला सुझाया है। इसके तहत, रोल नंबर के आधार पर आधे आधे छात्र छात्राओं को बुलाया जायेगा। जब भी शासन की ओर से छात्रों को बुलाने और कक्षाएं लगाने के निर्देश जारी होंगे तो इसी फार्मूले को अपनाया जाएगा

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि विश्वविद्यालय में ऑनलाइन क्लास लगातार चलेंगी। आधे छात्र क्लासरूम में बैठेंगे और उसी समय बाकी बचे हुए 50 प्रतिशत छात्र छात्राएं अपने घरों में बैठकर पढ़ाई कर सकेंगे। टाइम टेबल के हिसाब से छात्र क्लास में आयेंगे।

अभी तक कोरोना संक्रमण को देखते हुए शासन की ओर से शिक्षण संस्थान छात्रों के लिए खोलने के संबंध में कोई दिशा निर्देश नहीं जारी किए गए हैं। प्रस्तावित कार्यक्रम के तहत, आगामी एक अक्टूबर तक स्नातक और एक नवम्बर तक परास्नातक के नए सत्र की शुरुआत की जायेगी।